कार्य - पत्रक
कक्षा - VIII
विषय - हिन्दी

अकबरी लोटा

प्रश्न: - "लाला ने लोटा ले लिया, बोले कुछ नहीं अपनी पत्नीका अदब मानते थे,"

उत्तर: - लाला ने अपनी पत्नी को कुछ नहीं कहा क्योंकि वे अपनी पत्नी की इज्जत करते थे बिना वजह उसे टोकना नहीं चाहते थे, वैसे भी उनकी पत्नी तेज-तर्रार स्वभाव की थी वे सोचने लगे कि यदि मैंने लौटे के बारे में कुछ कह दिया तो खाना बाली में ही खाना पड़ेगा।

प्रश्न: "लाला साअलाल जी ने कौन दो और दो जोड़कर स्थिति को समझ लिया।" आपके विचार से लाला साअलाल ने कौन-कौन सी बातें समझ ली होंगी

उत्तर: - दो और दो जोड़कर स्थिति समझना - अर्थात परिस्थिति को भाँप जाना जब लालाजी के हाथों से लोटा गिरने के बाद आँगन में भीड़ एकत्रित हो गई और एक अंग्रेज नखशिख तक भीगा हुआ लोटा हाथ में लिए गालियाँ देता हुआ आ रहा था, तो लाला ने परिस्थिति का अनुमान लगा लिया कि कुछ गड़बड़ हो गई है, वे समझ गए कि लोटा अंग्रेज को लगा है और वह अब उनसे लड़ने आया है।

युगों का दौर (भारत की खोज पुस्तक से)

प्रश्न:- जरथुष्ट्र धर्म से आप क्या समझते हैं?

उत्तर:- यह पारसी धर्म के नाम से जाना जाता है, ईरान में उदित हुए इस धर्म के पैगंबर जरथुष्ट्र थे।

प्रश्न:- कौन-से फल भारत को चीन की देन है?

उत्तर:- आड़ू और नाशपती ऐसे फल हैं जो भारत में नहीं उगते थे, ये चीनियों की देन है।

प्रश्न:- बौद्ध धर्म किस काल में व कौन दो भागों में विभाजित हुआ?

उत्तर:- बौद्ध धर्म कुषाण काल में महायान और हीनयान नामक दो भागों में विभाजित हो गया।

प्रश्न:- नागार्जुन कौन थे? उन्होंने कौन-सा विशेष कार्य किया?

उत्तर:- नागार्जुन ईसा की पहली शताब्दी में हुए, वे बौद्ध शास्त्रों और भारतीय दर्शन के बहुत बड़े विद्वान थे, उन्हीं के कारण भारत में बौद्ध शाखा महायान की विजय हुई।

प्रश्न:- हीनयान को मानने वाले कौन से दो छोटे देश थे?

उत्तर:- हीनयान को मानने वाले लंका और बर्मा थे।